No. of Printed Pages : 6

BPY-001

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (BDP)

Term-End Examination

June, 2014

02134

ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY

BPY-001 : INDIAN PHILOSOPHY PART – I

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Answer all **five** questions. All questions carry equal marks. Answer to question no. 1 and 2 should be in about 400 words each.*

1. Explain the Jaina Epistemology in detail. *20*

OR

Discuss "Unity in Diversity" as seen in the Upanishads. *20*

2. Explain in detail the identity of Brahman and Atman. *20*

OR

Enumerate the theory of Pratityasamudpada as accepted by Buddhism. *20*

3. Answer any ***two*** of the following in about 200 words each :

(a) Explain why Mahatma Buddha was not interested in Metaphysical arguments. *10*

(b) How does Prasna Upanishad explain the ultimate cause of the world ? *10*

(c) Explain Jivan mukti and Videha mukti and describe the difference. *10*

(d) Explain the structure of Yajur Veda. *10*

4. Answer any ***four*** of the following in about 150 words each :

(a) Explain the meaning of "Swapiti". *5*

(b) What do you understand by Suktas ? *5*

(c) What do you mean by 'Akasha'. *5*

(d) Discuss the 'dream state' as explained in the Mandukya Upanishad. *5*

(e) Describe the notion of self according to Carvaka. *5*

(f) Explain 'Syadvada' of Jainism. *5*

5. Write short notes an any ***five*** of the following in about 100 words each :

(a) Ayurveda *4*

(b) Jyautisha *4*

(c) Moksha *4*

(d) Bhooma Vidya *4*

(e) Different Schools of Buddhism *4*

(f) Pramana *4*

(g) Relativism *4*

(h) Samyak Darshan *4*

बी.पी.वाई.-001

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (बी.डी.पी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2014

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शन शास्त्र

बी.पी.वाई.-001 : भारतीय दर्शन - I

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी **पाँचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान है । प्रथम एवं द्वितीय प्रश्नों में प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए ।*

---

1. जैन दर्शन की ज्ञान-मीमांसा को विस्तार से समझाइए । *20*

अथवा

उपनिषद् में प्रदर्शित "अनेकता में एकता" की विवेचना कीजिए । *20*

2. ब्रह्म और आत्म की तादात्म्यता की विस्तार से व्याख्या कीजिए । *20*

अथवा

बौद्ध दर्शन द्वारा स्वीकृत प्रतीत्यसमुत्पाद के सिद्धांत का विस्तृत विवरण दीजिए । *20*

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए ।

(क) महात्मा बुद्ध तत्त्वमीमांसीय तर्कों की ओर क्यों आकृष्ट नहीं होते थे ? स्पष्ट कीजिए । *10*

(ख) प्रश्न उपनिषद् जगत के परम कारण की कैसे व्याख्या करता है ? बताइए । *10*

(ग) जीवन मुक्ति और विदेह मुक्ति की व्याख्या करते हुए दोनों में अन्तर स्पष्ट कीजिए । *10*

(घ) यजुर्वेद की संरचना की व्याख्या कीजिए । *10*

4. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** के उत्तर दीजिए । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए ।

(क) 'स्वपिति' के अर्थ का वर्णन कीजिए । *5*

(ख) 'सुक्त' से आप क्या समझते हैं । *5*

(ग) 'आकाश' का क्या अर्थ है ? *5*

(घ) माण्डूक्य उपनिषद् में वर्णित 'स्वप्न अवस्था' की संक्षेप में चर्चा कीजिए । *5*

(ङ) चार्वाक के अनुसार आत्मा की अवधारणा को समझाइए । *5*

(च) जैन दर्शन के 'स्यादवाद' को स्पष्ट कीजिए । *5*

5. निम्नलिखित में से किन्हीं ***पाँच*** पर प्रत्येक लगभग 100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) आयुर्वेद *4*

(ख) ज्योतिष *4*

(ग) मोक्ष *4*

(घ) भूमा विद्या *4*

(ङ) बौद्ध दर्शन में विभिन्न सम्प्रदाय *4*

(च) प्रमाण *4*

(छ) सापेक्षतावाद *4*

(ज) सम्यक दर्शन *4*